# CHAPTER 16

## नमक

**PAGE 137, अभ्यास - पाठ के साथ**

**12:1:16:प्रश्न - अभ्यास - पाठ के साथ:1**

**सफ़िया के भाई ने नमक की पुड़िया ले जाने से क्यों मना कर दिया?**

**उत्तर:** साफिया के भाई ने उन्हें नमक का हलवा लेने से मना किया क्योंकि पाकिस्तान से भारत में नमक के निर्यात पर प्रतिबंध था। इसलिए यह गैरकानूनी था। दूसरे, जब कस्टम अधिकारी नमक के हलवे से बाहर आते हैं, तो वे बाकी वस्तुओं को भी खदेड़ देते हैं। ऐसी स्थिति में, कुख्याति भी होगी। तीसरा कारण यह था कि भारत के विभाजन के बाद बहुत अधिक नमक भारत में था।

**12:1:16:प्रश्न - अभ्यास - पाठकेसाथ:2**

**नमक की पुड़िया ले जाने के संबंध में सफ़िया के मन में क्या द्वंद्व था?**

**उत्तर:** सफ़िया के मन में नमक की पुड़िया को लेकर बस यही द्वन्द था कि वो इसे कस्टम अधिकारीयों को दिखाकर ले जाए या छुपा कर।

**12:1:16:प्रश्न - अभ्यास - पाठकेसाथ:3**

**जब सफ़िया अमृतसर पुल पर चढ़ रही थी तो कस्टम ऑफ़िसर निचली सीढ़ी के पास सिर झुकाए चुपचाप क्यों खड़े थे?**

**उत्तर:** जब सफ़िया अमृतसर ब्रिज पर चढ़ रहा था, तब कस्टम अधिकारी चुपचाप अपने सिर को निचली सीढ़ी के पास झुकाए खड़े थे। सिख बीबी की घटना टूटने पर वे अपनी मातृभूमि को याद कर रहे थे। वे सिख बीबी और साफिया की भावना से भी बहुत प्रभावित थे। वे दूसरी जगह आने के बाद भी अपनी मातृभूमि की चीजों को याद कर रहे थे। राजनीतिक उद्देश्यों ने

सभी को एक-दूसरे से अलग कर दिया था।

**12:1:16:प्रश्न - अभ्यास - पाठकेसाथ:4**

**लाहौर अभी तक उनका वतन है और देहली मेरा या मेरा वतन ढाका है  जैसे उद्‌गार किस सामाजिक यथार्थ का संकेत करते हैं।**

**उत्तर:** उपरोक्त कथन सामाजिक वास्तविकता को दर्शाते हैं जिसमें लोग राजनीतिक रूप से अलग, विस्थापित हो सकते हैं, लेकिन मातृभूमि से भावनात्मक लगाव बना रहता है। राजनीतिक साझेदारी सीमाओं और भूमि को विभाजित कर सकती है लेकिन लोगों के दिलों को नहीं। वे साझा कर सकते हैं, वे लोगों को अलग रहने के लिए मजबूर कर सकते हैं, लेकिन उनका प्यार अंतिम समय तक अपनी मातृभूमि के साथ रहता है।

**12:1:16:प्रश्न - अभ्यास - पाठकेसाथ:5**

**नमक ले जाने के बारे में सफ़िया के मन में उठे द्वंद्वों के आधार पर उसकी चारित्रिक विशेषताओं को स्पष्ट कीजिए।**

**उत्तर:** सफ़िया के मन में नमक ले जाने के बारे में उठे द्वंदों के आधार पर उसकी चारित्रिक विशेषताएं निम्न हैं:

1. **भावुक और मानवीय मूल्यों को सर्वोपरि मानने वाली: सफ़िया भावुक है और सिख बीबी की भावनाओं की कद्र करती है और उनके लिए किसी भी तरह लाहौरी नमक ले जाने को प्रतिबद्ध है।उसने एक बार भी नमक ले जाने से बचने के बारे में ज़रा भी नहीं सोचा।**
2. **ईमानदार : सफ़िया रिश्तों के साथ-साथ व्यवस्था और कानून के प्रति भी ईमानदार है,जब उसे पता चलता है कि पाकिस्तान से भारत नमक ले जाना ग़ैर कानूनी है तो वह तय करती है कि प्रेम की इस भेंट को वह चोरी से नहीं ले जायेगी।**
3. **दृढ़निश्चयी : वह दृढ़ निश्चयी भी है क्योंकि वह सब कुछ जानने के बाद भी लाहौरी नमक भारत ले जाना चाहती है और इसलिए वह सही-ग़लत सभी तरीक़ों पर विचार करती है।**

4. **निडर : सफ़िया निडर भी है,यह जानते हुए भी कि नमक ले जाना ग़ैर कानूनी है वह बेझिझक होकर कस्टम वालों के सामने नमक की पुड़िया रख देती है।**

5. **वादा निभाने वाली : सफ़िया सैयद है और इस नाते वह अपने वादे को किसी भी कीमत पर पूरा करना चाहती है।**

**12:1:16:प्रश्न - अभ्यास - पाठकेसाथ:6**

**मानचित्र पर एक लकीर खींच देने भर से ज़मीन और जनता बँट नहीं जाती है- उचित तर्कों व उदाहरणों के ज़रिये इसकी पुष्टि करें।**

**उत्तर:** लेखिका रजिया सज्जाद ज़हीर का यह कथन पूरी तरह से सत्य है। राजनीतिक कारणों से मानचित्र पर रेखा को विभाजित करके, देश और भूमि को देश को दो भागों में विभाजित करके एक अलग देश का नाम और रेटिंग मिलती है। लेकिन यह अलगाव भावनात्मक रूप से लोगों को उनकी मातृभूमि से अलग नहीं कर सका। पाकिस्तानी, भारतीय अधिकारी और सिख बीबी अभी भी दिल्ली, ढाका और लाहौर को

क्रमशः अपनी मातृभूमि मानते हैं। पुरानी यादें उन्हें हर समय घेरे रहती हैं। आज भी, उन्हें अपनी मातृभूमि की सामान्य चीजों के लिए समान स्नेह है। इसलिए हम कह सकते हैं कि नक्शे में खींचकर, भूमि और जनता को विभाजित नहीं किया गया है।

**12:1:16:प्रश्न - अभ्यास - पाठकेसाथ:7**

**नमक कहानी में भारत व पाक की जनता के आरोपित भेदभावों के बीच मुहब्बत का नमकीन स्वाद घुला हुआ है, कैसे?**

**उत्तर:** भौगोलिक रूप से भारत और पाकिस्तान को राजनीतिक और धार्मिक आधार पर विभाजित करने के बावजूद, दोनों देशों के लोगों के दिलों में अभी भी उनके लोगों के लिए एक गर्मजोशी और आत्मीयता है। अमृतसर में रहने वाले सिख बीबी लाहौर को अपनी मातृभूमि कहते हैं। और लाहौरी नमक का स्वाद भूला नहीं है। पाकिस्तानी सीमा शुल्क अधिकारी ने सफिया को नमक का हाथ दिया और कहा कि "जामा-मस्जिद की सीढ़ियों को मेरा सलाम कहना है।" भारतीय सीमा पर तैनात

अधिकारी ढाका की भूमि और वहां के पानी के स्वाद को नहीं भूलते। इन सभी बातों से यह महसूस होता है कि भले ही रिश्ते राजनीतिक रूप से तनावपूर्ण हैं लेकिन सामाजिक रूप से प्यार का नमकीन स्वाद अभी भी भंग है।

**PAGE 138, अभ्यास - क्योंकहागया**

**12:1:16:प्रश्न - अभ्यास - क्योंकहागया?:1**

**क्या सब कानून हुकूमत के ही होते हैं , कुछ मुहब्बत, मुरौवत, आदमियत, इंसानियत के नहीं होते?**

**उत्तर:** एक पुलिस अधिकारी के रूप में, जब सफिया के भाई ने उन्हें बताया कि पाकिस्तान और भारत के बीच नमक का व्यापार निषिद्ध है। तो लेखक ने तर्क दिया कि क्या सभी कानून केवल सरकार के होते है या कुछ प्रेम, वैभव, मानवतावाद के भी कानून है ?

**12:1:16:प्रश्न - अभ्यास - क्योंकहागया?:2**

भावना के स्थान पर बुद्धि धीरे-धीरे उस पर हावी हो रही थी।

**उत्तर:** भावनाओं से अभिभूत होकर, सफिया अपने भाई के साथ नमक लेने के बारे में बहस कर रही थी, लेकिन जब सफिया का गुस्सा और गुस्सा कम हो गया, तो वह अपनी बुद्धि से नमक लेने के बारे में सोचने लगी।

**12:1:16:प्रश्न - अभ्यास - क्योंकहागया?:3**

**मुहब्बत तो कस्टम से इस तरह से गुज़र जाती है कि कानून हैरान रह जाता है।**

**उत्तर:** पाकिस्तानी सीमा शुल्क अधिकारी ने साफिया को बताया कि प्यार के सामने रिवाज भी असहाय है। प्रेम के सामने सभी कानून निष्प्रभावी हैं। कस्टम अधिकारी खुद ऊपर वाले को नमक की सफ़िया की थैली में रखकर कहता है।

**12:1:16:प्रश्न - अभ्यास - क्योंकहागया?:4**

**हमारी ज़मीन हमारे पानी का मज़ा ही कुछ और है!**

**उत्तर:** भारतीय सीमा शुल्क अधिकारी ने साफिया के लाहौरी नमक की बात सुनकर भावुक हो गए और अपनी मातृभूमि (ढाका) को याद करना शुरू कर दिया और उसी भावना में उन्होंने कहा कि "हमारी ज़मीन हमारे पानी का मज़ा ही कुछ और है।"

**PAGE 138, अभ्यास - समझाइएतोज़रा**

**12:1:16:प्रश्न - अभ्यास - समझाइएतोज़रा:1**
**फिर पलकों से कुछ सितारे टूटकर दूधिया आँचल में समा जाते हैं।**

**उत्तर:**लाहौर की याद में सिख बीबी इतनी भावुक हो उठती हैं कि उनकी आँखों से आंसू निकल कर उनके सफ़ेद मलमल के दुपट्टे पर टपक पड़ते हैं ।

**12:1:16:प्रश्न - अभ्यास - समझाइएतोज़रा:2**

**किसका वतन कहाँ है - वह जो कस्टम के इस तरफ़ है या उस तरफ़।**

**उत्तर:** भारत लौटते समय, अमृतसर के पुल पर चढ़ने वाला साफिया सोच रहा है कि पाक कस्टम अधिकारी दिल्ली और भारतीय कस्टम अधिकारी ढाका को अपनी मातृभूमि बताता है, जबकि दोनों अलग-अलग देशों में रहते हैं। लेकिन क्षेत्र और निवास में कहीं भी कोई सामंजस्य नहीं है।

**PAGE 138, अभ्यास - पाठकेआसपास**

**12:1:16:प्रश्न - अभ्यास - पाठकेआसपास:1**

**नमक कहानी में हिंदुस्तान -पाकिस्तान में रहने वाले लोगों की भावनाओं, संवेदनाओं को उभारा गया है। वर्तमान संदर्भ में इन संवेदनाओं की स्थिति को तर्क सहित स्पष्ट कीजिए।**

उत्तर: "नमक" की कहानी ने भारत और पाकिस्तान के लोगों

और वहां रहने वाले लोगों, उनकी भावनाओं, संवेदनाओं, पीढ़ीगत अंतर में बड़ा बदलाव किया है। विभाजन के समय की पीढ़ी अब खत्म हो गई है। अब उसकी नई पीढ़ी ने जन्म लिया है जिसमें जन्मस्थान और कार्यस्थल दोनों एक हैं। उनके दिमाग में न केवल विभाजन की कड़वी यादें हैं, बल्कि प्रेम की यादें अभी भी हैं। हर तरह से, अब भावनात्मक लगाव पहले की तुलना में बहुत कम हो गया है। लेकिन नए कड़वाहट के कई नए पेड़ तैयार किए गए हैं। वर्तमान में, दोनों देशों के बीच राजनीतिक, सांस्कृतिक संबंधों, सियाचिन, कश्मीर मुद्दे आदि के बीच तनाव है। दोनों देशों को अभी भी मिठास लाने की कोशिश करते रहना चाहिए।

**12:1:16:प्रश्न - अभ्यास - पाठकेआसपास:2**

**सफ़िया की मनःस्थिति को कहानी में एक विशिष्ट संदर्भ में अलग तरह से स्पष्ट किया गया है। अगर आप सफ़िया की जगह होते/होतीं तो क्या आपकी मनःस्थिति भी वैसी ही होती? स्पष्ट कीजिए।**

**उत्तर :** प्यार में बहुत शक्ति होती है, ऐसी स्थिति में अगर कोई व्यक्ति अपनी भावनाओं और भावनाओं से संबंधित कुछ लाने पर जोर देता है, तो कोई भी वास्तविक व्यक्ति इसे पूरा करने की कोशिश करेगा। मेरी मन: स्थिति इस कहानी में साफिया जैसी ही होगी। मैंने अपनी भावनाओं को साफिया की तरह व्यक्त किया होता और इसी तरह मैं लाहौरी नमक लाने का हर संभव प्रयास करता।

**12:1:16:प्रश्न - अभ्यास - पाठकेआसपास:3**

**भारत-पाकिस्तान के आपसी संबंधों को सुधारने के लिए दोनों सरकारें प्रयासरत हैं। व्यक्तिगत तौर पर आप इसमें क्या योगदान दे सकते/सकती हैं?**

**उत्तर:** भारत-पाकिस्तान के आपसी संबंधों को सुधारने के लिए व्यक्तिगत तौर पर मैं निम्नलिखित प्रयास करूँगा:

(क) सबसे पहले, मैं हर उस चीज़ को भूलने की कोशिश करूंगा जो कड़वी है।

(ख) मैं पाकिस्तान की आलोचना करने से परहेज करूंगा और मैं उन लोगों से अनुरोध करूंगा जो मेरी आलोचना करते हैं कि

वे अपना नजरिया बदलें।

(ग) मैं उन पाकिस्तानी नागरिकों का स्वागत करूंगा, जो भारत में उसी तरह आते हैं जैसे हमारे कोई भाई-बहन लंबे ब्रेक के बाद विदेश से घर आते हैं और हम उनका स्वागत करते हैं।

(घ) मैं सांस्कृतिक और खेल स्तर पर वहां आने वाली टीमों का खुले दिल से स्वागत करूंगा।

(ङ) आज सूचना क्रांति के युग में, मैं इंटरनेट के माध्यम से पाकिस्तान में अपने दोस्तों के दायरे का विस्तार करने की कोशिश करूंगा।

(च) मैं वायरल वीडियो और संदेशों का बहिष्कार करूंगा जो भड़काऊ और भड़काने के उद्देश्य से फैले हुए हैं।

(छ) एक साथ हम उन शहीदों को याद करेंगे जिन्होंने आजादी के लिए एक साथ अपनी जान गंवाई।

**12:1:16:प्रश्न - अभ्यास - पाठकेआसपास:4**

**लेखिका ने विभाजन से उपजी विस्थापन की समस्या का चित्रण करते हुए सफ़िया व सिख बीबी के माध्यम से यह भी परोक्ष रूप से संकेत किया है कि इसमें भी विवाह की रीति के कारण स्त्री सबसे अधिक विस्थापित है। क्या आप इससे सहमत हैं?**

**उत्तर:** हालांकि इस कहानी में कोई संकेत नहीं है कि विभाजन के कारण विस्थापन में महिलाओं को अधिक विस्थापित किया गया है क्योंकि सिख बीबी और सफ़िया दोनों को उनके परिवारों के साथ विस्थापित किया गया है। वही स्थिति पाकिस्तान में भी है। सामाजिक संरचना के आधार पर, यह भी सच है कि विवाह के कारण महिलाएं सबसे अधिक विस्थापित होती हैं। क्योंकि उसका निर्णय अपने पति और ससुराल वालों के निर्णय में स्वतः अंतर्निहित होता है। लेकिन इस विस्थापन के कारण, अपने जन्मस्थान के प्रति उसका लगाव कभी कम नहीं होता, यादें उसे घेर लेती हैं।

**12:1:16:प्रश्न - अभ्यास - पाठकेआसपास:5**

**विभाजन के अनेक स्वरूपों में बँटी जनता को मिलाने की अनेक भूमियाँ हो सकती हैं- रक्त संबंध, विज्ञान, साहित्य व कला। इनमें से कौन सबसे अधिक ताकतवर है और क्यों?**

**उत्तर:** रक्त -संबंधीता, विज्ञान, साहित्य और कला उनमें से

सबसे शक्तिशाली साहित्य और कला है। इसके माध्यम से हम दोनों देशों में उत्पन्न होने वाली कड़वाहट को कम समय में कम कर सकते हैं क्योंकि इसका क्षेत्र विस्तृत है। साहित्य और कलाकार देश, धर्म, जाति, भाषा आदि के दायरे से ऊपर उठते हैं, बढ़ते हैं और भावनाओं के साथ पनपते हैं। भावनाएँ पूरी मानवता का एकमात्र द्वार हैं जो लोगों को एक सूत्र में पिरो सकती हैं।

**PAGE 138, अभ्यास - आपकीराय**

**12:1:16:प्रश्न - अभ्यास - आपकीराय :1**
**मान लीजिए आप अपने मित्र के पास विदेश जा रहे/रही हैं। आप सौगात के तौर पर भारत की कौन-सी चीज़ ले जाना पसंद करेंगे/करेंगी और क्यों?**

**उत्तर:** अपने मित्र के पास यहाँ की बानी मिठाई तथा कलाकृति जैसे - ताजमहल इत्यादि ले जाऊंगा। उसके लिए भारतीय साहित्य लेकर जाऊंगा जो उसका परिचय भारतीय सस्कृति से

कराएंगे।

**PAGE 139, अभ्यास - भाषाकीबात**

**12:1:16:प्रश्न - अभ्यास - भाषाकीबात :1**

**नीचे दिए गए वाक्यों को ध्यान में पढ़िए-**

**(क) हमारा वतन तो जी लाहौर ही है।**

**(ख) क्या सब कानून हुकूमत के ही होते हैं?**

**सामान्यतः 'ही' निपात का प्रयोग किसी बात पर बल देने के लिए किया जाता है। ऊपर दिए गए दोनों वाक्यों में 'ही' के प्रयोग से अर्थ में क्या परिवर्तन आया है? स्पष्ट कीजिए। 'ही' का प्रयोग करते हुए दोनों तरह के अर्थ वाले पाँच-पाँच वाक्य बनाइए।**

**उत्तर:**

**(क) वाक्य में 'वह' के प्रयोग से यह परिवर्तन आया है कि हमारा देश लाहौर है और कोई नहीं। इसका मतलब यह है कि भले ही यहां के स्पीकर ने स्पीकर को महलों में रखा हो, उसे सारी खुशियां दें, लेकिन उनकी मातृभूमि लाहौर, भारत या अन्य**

**कोई नहीं।**

**<u>वाक्य:</u>**

**1.** मुझे गन्ने का रस ही पीना है**।**

**2.** घर तो आपका ही बड़ा है **।**

**3.** मुझे सिनेमा ही देखना है **।**

**4.** बेटा तो आपका ही है **।**

**5.** पैसे तो तुम्हारे ही हैं**।**

**(ख)वाक्यमें 'ही' के प्रयोग से यह अर्थ निकलता है कि हुकूमत से परे भी कुछ अन्य कानून होते हैं।**

**<u>वाक्य:</u>**

**1.** क्या तैराकी लड़के ही करते हैं?

**2.** क्या रवीना अंग्रेज़ी फ़िल्में ही देखती है?

**3.** क्या सारा ज्ञान आज ही दे दोगे?

**4.** क्या सारी शर्तें तुम्हारी ही मानी जाएगी ?

**5.** क्या आप मुझे नौकरी से निकाल ही देंगे ?

**12:1:16:प्रश्न - अभ्यास - भाषाकीबात :2**

नीचे दिए गए शब्दों के हिंदी रूप लिखिए-

**मुरौवत, आदमियत, अदीब, साडा, मायने, सरहद, अक्स, लबोलहजा, नफीस**

**उत्तर:**

**मुरौवत : संकोच**

**आदमियत : इंसानियत,मानवता**

**अदीब : साहित्यकार**

**साडा : हमारा**

**मायने : अर्थ,मतलब**

**सरहद : सीमा**

**अक्स : प्रतिरूप**

**लबोलहजा : बोलने/बोल-चाल का ढंग**

**नफीस : सुरुचिपूर्ण**

**12:1:16:प्रश्न - अभ्यास - भाषाकीबात :3**

**पंद्रह दिन यों गुज़रे कि पता ही नहीं चला- वाक्य को ध्यान से**

**पढ़िए और इसी प्रकार के (यों, कि, ही से युक्त पाँच वाक्य बनाइए।)**

**उत्तर:**

1. **कुछ वक़्त यों ही गुज़र गया कि पता ही नहीं चला ।**
2. **बड़े बाबू ने यों ही टहला दिया कि साहब आये ही नहीं ।**
3. **वह यों चली गई कि कुछ समझ ही ना सका ।**
4. **यों मैं हॉल से निकला ही था कि सुचित्रा आ गई ।**
5. **वर्षा यों आई कि पता ही न चला।**